वर्ण विचार

वर्ण

वर्ण विचार

वर्ण भाषा का मूल आधार होते हैं। इन्हीं वर्णों के मेल से शब्द बनते हैं और शब्दों से वाक्य। इसी तरह पूरी भाषा का निर्माण होता है। हिन्दी भाषा में प्रयुक्त सबसे छोटी ध्वनि वर्ण कहलाती है और वर्णों के समुदाय को वर्णमाला कहते हैं।

हमारी भाषा की वर्णमाला में 44 वर्ण होते हैं। उच्चारण और प्रयोग के आधार पर हिन्दी वर्णमाला के दो निम्नलिखित वर्ण माने गए हैं -

वर्णों के भेद -

हिन्दी वर्णमाला में वर्णों को दो भागों में बाँटा गया है (दो भेद होते हैं) -

(1) स्वर

(2) व्यंजन

(1) स्वर – अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ (11 स्वर)

(2)	व्यंजन	–	क	ख	ग	घ	ङ
		–	च	छ	ज	झ	ञ
		–	ट	ठ	ड	ढ	ण
		–	त	थ	द	ध	न

–	प	फ	ब	भ	म
–	य	र	ल	व	
–	श	ष	स	ह	

इनके अलावा कुछ अन्य ध्वनियाँ भी हैं जैसे -

अनुनासिक (अँ)	-	माँ, बाँका, आँख
अनुस्वार (अं)	-	अंग, पतंग, सुन्दर, मंदिर
निम्नबिन्दु (ड़)	-	पकड़, चढ़, पढ़ाई, चढ़ाई
विसर्ग (अ:)	-	अत:, अंतत:, प्रात:
चन्द्र (डॉ)	-	डॉक्टर, कॉफी, कॉलिज, बॉल
नुक्ता	-	ख़त, ख़्याल, ज़िंदगी

वर्णों के भेद - स्वर

जिन वर्णों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से होता हो और जो व्यंजनों के उच्चारण में सहायक हो, वे स्वर कहलाते हैं, या दूसरे शब्दों में कह सकते हैं - जिन वर्णों (ध्वनियों) के उच्चारण में श्वास – वायु (साँस लेते समय) बिना किसी अड़चन के मुख से निकलती है, उसे स्वर कहते हैं। हिन्दी वर्णमाला में कुल 11 स्वर होते हैं -

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ।

मात्राएँ -

स्वरों के बदले हुए स्वरूप को मात्रा कहते हैं, क्योंकि व्यजनों का प्रयोग करते समय स्वरों का प्रयोग उस रूप में ना करके उनके चिह्नों के रूप में प्रयोग किया जाता है। इन्हीं चिह्नों को हम मात्राएँ कहते हैं। 'अ' स्वर है क्योंकि यह प्रत्येक व्यंजन में सम्मिलित होता है; जैसे -

(कमल – क् + अ + म् + अ + ल् + अ) इसलिए 'अ' को छोड़कर सभी अन्य स्वरों के लिए मात्राएँ बनाई गई हैं, वो क्रमश: तालिका में इस प्रकार दी गई हैं -

वर्ण (स्वर)	**मात्रा**	**शब्द**	**उदाहरण**
आ	ा	काल	क् + आ + ल् + अ
इ	ि	किया	क् + इ + य् + आ
ई	ी	जीवन	ज् + ई + व् + अ + न् + अ
उ	ु	तुम	त् + उ + म् + अ
ऊ	ू	दूध	द् + ऊ + ध् + अ

ऋ	ृ	मृत	म् + ऋ + त् + अ
ए	े	दो	द् + ए
ऐ	ै	है	ह् + ऐ
ओ	ो	होश	ह् + ओ + श् + अ
औ	ौ	नौकर	न् + औ + क् + अ + र् + अ

वर्णों के भेद - व्यंजन

जिन वर्णों के पूर्ण उच्चारण के लिए स्वरों की सहायता ली जाती है, वे व्यंजन कहलाते हैं। हम ये भी कह सकते हैं - जिन ध्वनियों का उच्चारण करते समय हमारी श्वास-वायु मुख के किसी भाग जैसे - तालु, ओष्ठ, दाँत आदि से टकरा कर और ठहर कर बाहर आती है, उन्हें व्यंजन कहा जाता है।

व्यंजन बिना स्वरों की मदद के नहीं बोले जा सकते हैं, हिन्दी वर्णमाला में 33 व्यंजन होते हैं; जैसे - क, ख, ग........ सभी व्यंजनों में 'अ' स्वर विद्यमान रहता है। यदि इन व्यंजनों में अ ना लगाया जाए तो यह अपने निम्नलिखित स्वर में लिखे जाएँगे; जैसे - क्, ख्, ग्, घ्, त् -------------- आदि।

परन्तु 'अ' लगने पर इनका स्वरूप बदल जाएगा व ये इस प्रकार लिखे जाएँगे - क, ख, ग, घ, त --------------- ड और ढ़।

जैसा कि ये बताया गया है कि व्यजनों को बिना स्वरों की मदद के बोला नहीं जा सकता, परन्तु लिखते समय हम इसे स्वर के बिना भी लिख सकते हैं; जैसे -

क = क् + अ

शुद्ध रूप (व्यंजन) = (व्यंजन) + (स्वर)

इसी तरह हम शब्दों को लिख सकते हैं; जैसे - चमन = च् + अ + म् + अ + न् + अ

संयुक्ताक्षर :-

जो व्यंजन स्वर रहित होते हैं, उनके मेल को संयुक्ताक्षर कहते हैं -

त्र	=	त् + र् + अ
ज्ञ	=	ज् + ञ् + अ
श्र	=	श् + र् + अ
क्ष	=	क् + ष् + अ
द्य	=	द् + य् + अ

हिंदी भाषा में प्रयुक्त होने वाले इन व्यंजनों को संस्कृत से लिया गया है। संस्कृत में इनको संयुक्त व्यंजनों के लिए प्रयोग में लाने के लिए एक वर्ण के अक्षर के रूप में निर्माण किया गया है।

क्ष से बनने वाले अक्षर; जैसे - (क् + ष् + अ)

कक्षा, भिक्षा, दिक्षा, रक्षा इत्यादि हैं।

ज्ञ से बनने वाले अक्षर; जैसे - (ज् + ञ् + अ)

यज्ञ, अवज्ञा, ज्ञानी इत्यादि।

त्र से बनने वाले अक्षर; जैसे - (त् + र + अ)

मात्रा, यात्रा, यत्र, तत्र।

श्र से बनने वाले अक्षर; जैसे - (श् + र् + अ)

श्राप, श्रमिक, आदि।

द्य से बनने वाले अक्षर; जैसे - (द् + य् + आ)

विद्या, उद्यान, इत्यादि।

जब एक व्यंजन ध्वनि अपने समान, अन्य व्यंजन ध्वनि से संयुक्त होती है, तो उसे द्वित्व व्यंजन कहते हैं; जैसे -

1.	छत्ता	-	छ् + अ + त् + त् + आ
2.	कच्चा	-	क् + अ + च् + च् + आ
3.	मिट्टी	-	म् + इ + ट् + ट् + ई

वर्ण-विच्छेद

वर्ण विच्छेद

जब किसी शब्द में प्रयुक्त वर्णों को पृथक (अलग-अलग) कर दिया जाता है, तो उसे वर्ण - विच्छेद कहते हैं।

उदाहरण के लिए -

	शब्द	**वर्ण – विच्छेद**
1.	भारतीय	भ् + आ + र् + अ + त् + ई + य् + अ
2.	योग्यता	य् + ओ + ग् + य् + अ + त् + आ
3.	हंस	ह् + अं + स् + अ

4.	कमल	क् + अ + म् + अ + ल् + अ
5.	सहायता	स् + अ + ह् + आ + य् + अ + त् + आ
6.	गर्व	ग् + अ + र् + व + अ
7.	चाँद	च् + आ + अँ + द् + अ
8.	घर	घ् + अ + र् + अ
9.	पवन	प् + अ + व् + अ + न् + अ
10.	मैला	म् + ऐ + ल् + आ
11.	सोना	स् + ओ + न् + आ
12.	कपूर	क् + अ + प् + ऊ + र् + अ
13.	मेल	म् + ए + ल् + अ
14.	सौगात	स् + औ + ग् + आ + त् + अ

15.	बुरा	ब् + उ + र् + आ
16.	कृति	क् + ऋ + त् + इ
17.	प्रभा	प् + र् + अ + भ + आ